*दिल्ली सल्तनत के पराभव के उपरांत हुमायूं द्वारा सर्वप्रथम **स्वर्ण मुद्रा** का प्रचलन किया गया था।

*हाजी बेगम ने अपने पति **हुमायूं के मकबरे** का निर्माण दिल्ली (दीन पनाह) में 1565-72 ई. में करवाया था। *इस मकबरे के वास्तुकार मीरक मिर्जा गियास (Mirak Mirza Ghiyas) थे। यह मुगल वास्तुकला **का प्रथम दोहरा गुंबद वाला मकबरा** है।

***कालिंजर विजय (1545 ई.)** के दौरान, जब शेरशाह के सैनिक उक्का (गोले) फेंकने में व्यस्त थे, तो बारूद से भरा हुआ एक गोला दुर्ग की दीवार से टकरा कर वहां गिरा जहां बारूद से भरे हुए बहुत से गोले रखे हुए थे, जिससे गोलों में आग लग गई और वे फट-फट कर सभी दिशाओं में विध्वंस करने लगे। *शेरशाह वहां से अधजला बाहर निकला, यद्यपि दुर्ग जीत लिया गया, किंतु यही जीत शेरशाह के लिए अंतिम हो गई। *22 मई, 1545 को कालिंजर में ही उसकी मृत्यु हो गई। *कालिंजर का अभियान शेरशाह का अंतिम अभियान था। *उस समय वहां का राजा कीरत सिंह था। *शेरशाह सूरी ने मारवाड़ के युद्ध में राजपूतों के शौर्य पराक्रम से प्रभावित होकर कहा कि **''मात्र एक मुट्ठी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साम्राज्य खो दिया होता।''**

***शेरशाह का मकबरा**, बिहार के **सासाराम** नामक स्थान पर एक तालाब के बीच ऊंचे चबूतरे पर बना है। *दिल्ली स्थित पुराना किला का निर्माण हुमायूं ने करवाया था। *यहां **किला-ए-कुहना नामक मस्जिद** शेरशाह द्वारा बनवाया गया था।

*कृषकों की मदद के लिए शेरशाह ने **'पट्टा'** एवं **'कबूलियत'** की व्यवस्था प्रारंभ की थी। *किसानों को सरकार की ओर से **'पट्टे'** दिए जाते थे, जिनमें स्पष्ट किया गया होता था कि उस वर्ष उन्हें कितना लगान देना है। *किसान **'कबूलियत-पत्र'** के द्वारा इन्हें स्वीकार करते थे।

प्रश्नकोश

1. निम्न नामों में से उसे चिह्नित करिए, जो हुमायूं के भाइयों में से किसी का नाम नहीं था—

(a) कामरान (b) उस्मान
(c) अस्करी (d) हिन्दाल

U. P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

कामरान, अस्करी एवं हिन्दाल बाबर के पुत्र तथा हुमायूं के भाई थे। हुमायूं बाबर का ज्येष्ठ पुत्र था। हुमायूं 1508 ई. में काबुल में पैदा हुआ था। उसकी मां माहम बेगम शिया संप्रदाय से संबंधित थीं।

2. हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का तिथि अनुसार सही क्रम अंकित करें, युद्ध-स्थलों के नाम नीचे अंकित हैं—

(a) चौसा, देवरा, कन्नौज, सरहिंद
(b) देवरा, कन्नौज, चौसा, सरहिंद
(c) सरहिंद, देवरा, चौसा, कन्नौज
(d) देवरा, चौसा, कन्नौज, सरहिंद

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर—(d)

हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का क्रम इस प्रकार है—देवरा (1532 ई.), चौसा (1539 ई.), कन्नौज (1540 ई.) एवं सरहिंद (1555 ई.)।

3. निम्नलिखित में से किन दो शासकों के मध्य 17 मई, 1540 में कन्नौज के पास युद्ध हुआ?

(a) हुमायूं एवं सुल्तान मोहम्मद नुहानी
(b) शेरशाह एवं हुमायूं
(c) शेरशाह एवं मिर्जा कामरान
(d) मोहम्मद शाह एवं हुमायूं

U.P.B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(b)

17 मई, 1540 को कन्नौज या बिलग्राम का युद्ध शेरशाह सूरी एवं हुमायूं के बीच हुआ था। इस युद्ध में हुमायूं की पराजय हुई थी। इसी युद्ध के बाद हुमायूं को भारत से निर्वासित होना पड़ा था।

4. फरीद, जो बाद में शेरशाह सूरी बना, ने कहां से शिक्षा प्राप्त की थी?

(a) सहसाराम (b) पटना
(c) जौनपुर (d) लाहौर

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर—(c)

फरीद, जो बाद में शेरशाह सूरी बना, ने अपनी शिक्षा जौनपुर से प्राप्त की थी। 1494 ई. में फरीद ने घर छोड़ दिया तथा विद्याध्ययन के लिए जौनपुर चला आया, जो तत्कालीन समय में 'सिराज-ए-हिंद' नाम से प्रसिद्ध था।

5. निम्नलिखित मध्ययुगीन शासकों में से कौन एक उच्च शिक्षित था?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) इब्राहिम लोदी (d) शेरशाह

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर—(d)

शेरशाह सूरी ने जौनपुर में औपचारिक शिक्षा प्राप्त किया था, जो उस समय उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र था।

6. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने पहले ''हजरते आला'' (Hazrat-e-Ala) की उपाधि अपनाई और बाद में 'सुल्तान' की?

(a) बहलोल लोदी (b) सिकंदर लोदी

Scanned with OKEN Scanner

(c) शेरशाह सूरी (d) इस्लाम शाह सूरी

44[th] B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर—(c)

बंगाल के शासक नुसरत शाह को पराजित करके शेर खां (शेरशाह सूरी) ने 'हजरते आला' की उपाधि धारण की। 1539 ई. में चौसा के युद्ध में हुमायूं को पराजित करके उसने 'शेरशाह' की उपाधि धारण की तथा अपने नाम का खुतबा पढ़वाया और सिक्का चलवाया।

7. शेरशाह सूरी द्वारा किए गए सुधारों में सम्मिलित थे—

1. राजस्व सुधार

2. प्रशासनिक सुधार

3. सैनिक सुधार

4. करेंसी प्रणाली में सुधार

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3

(c) 2, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर—(d)

शेरशाह सूरी का मध्ययुगीन भारत में एक महत्वपूर्ण स्थान है। साम्राज्य निर्माता एवं प्रशासक के रूप में उसे अकबर का पूर्वगामी माना जाता है।

1. **राजस्व सुधार**—शेरशाह का विश्वास था कि साम्राज्य को स्थायित्व प्रदान करने के लिए कृषकों का सुखी एवं संतुष्ट होना आवश्यक है। उसकी यह भी धारणा थी कि भू-राजस्व के रूप में कृषकों पर भारी धनराशि बकाया रह जाती है, जिससे राजकोष को काफी हानि उठानी पड़ती है। अतः भू-राजस्व की धनराशि बकाया नहीं रहनी चाहिए। इस उद्देश्य से शेरशाह ने भूमि व्यवस्था में अनेक सुधार किए। उसकी लगान व्यवस्था मुख्य रूप से रैयतवाड़ी थी, जिसमें किसानों से प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित किया गया था।
2. **प्रशासनिक सुधार**—शेरशाह ने सर्वप्रथम अपने पिता की जागीर के प्रबंधक के रूप में प्रशासन की जानकारी प्राप्त की थी। मुगल सेवा में रहने के कारण उसे मुगलों के प्रशासन, सैनिक संगठन एवं वित्तीय व्यवस्था का पूर्ण ज्ञान था। यही कारण है कि शेरशाह ने अपने पांच वर्षों के अल्प शासनकाल में जो प्रशासन कार्य दिखाया उसके कारण उसकी गणना दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ सुल्तानों में की जाती है। शेरशाह का प्रशासन अत्यंत केंद्रीकृत था। शासक स्वयं शासन का प्रधान होता था और संपूर्ण शक्तियां उसी में केंद्रित थीं। शेरशाह ने अपने बंगाल विजय के पूर्व साम्राज्य को 47 सरकारों में विभाजित किया था। शेरशाह ने बंगाल सूबे के लिए एक अलग प्रकार की व्यवस्था की, संपूर्ण सूबे को उसने 16 सरकारों में बांट दिया था तथा प्रत्येक सरकार को एक सैनिक अधिकारी (शिकदार) के नियंत्रण में छोड़ दिया था। उसकी सहायता के लिए एक असैनिक अधिकारी **अमीर-ए-बंगाल** की नियुक्ति होती थी। यह प्रबंध विद्रोह की आशंका को समाप्त करने के लिए किया गया था।
3. **सैनिक सुधार**—अपने साम्राज्य को सुदृढ़ करने के लिए शेरशाह ने सैनिक संगठन के क्षेत्र में अनेक सुधार किए। वह सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के सुधारों से बहुत प्रभावित था। बेईमानी को रोकने के लिए उसने घोड़ों को दागने की प्रथा तथा सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा को लागू किया था।
4. **करेंसी प्रणाली में सुधार**—शेरशाह का शासनकाल भारतीय मुद्राओं के इतिहास में एक परीक्षण का काल था। उसके मुद्रा सुधार के बारे में वी.ए. स्मिथ ने लिखा था कि "यह रुपया वर्तमान ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली का आधार है।" शेरशाह ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर शुद्ध सोने, चांदी एवं तांबे के सिक्कों का प्रचलन किया। उसने शुद्ध चांदी का **रुपया** (178 ग्रेन) तथा तांबे का **दाम** (380 ग्रेन) चलाया। अतः शेरशाह सूरी को उपर्युक्त सभी सुधारों का श्रेय प्राप्त है।

8. दिल्ली सल्तनत के पराभव के उपरांत किस शासक द्वारा स्वर्ण मुद्रा का सर्वप्रथम प्रचलन किया गया?

(a) अकबर (b) हुमायूं

(c) शाहजहां (d) शेरशाह

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर—(b)

दिल्ली सल्तनत के पराभव के उपरांत हुमायूं द्वारा सर्वप्रथम स्वर्ण मुद्रा का प्रचलन किया गया था। हुमायूं के बाद शेरशाह द्वारा भी स्वर्ण मुद्रा जारी करने का उल्लेख प्राप्त होता है। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने अपने उत्तर-पत्रक में विकल्प (a) को सही माना है, जो कि गलत है।

9. हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण कब किया?

(a) 1532 ई. (b) 1531 ई.

(c) 1533 ई. (d) 1536 ई.

48[th] to 52[nd] B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण 1532 ई. में किया। इस किले को उसने लगभग चार महीने तक घेरे रखा, जिसके बाद शेर खां (शेरशाह) ने हुमायूं की अधीनता स्वीकार कर ली। इसके अतिरिक्त 1531 ई. में उसने कालिंजर पर आक्रमण किया और 1532 ई. में रायसीन के महत्वपूर्ण किले को जीत लिया।

10. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और उन्हें क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए।

I. दौराह का युद्ध **II. कन्नौज का युद्ध**

III. सामूगढ़ का युद्ध **IV. चौसा का युद्ध**

Scanned with OKEN Scanner

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट :

(a)	II,	III,	I,	IV
(b)	I,	IV,	II,	III
(c)	I,	II,	IV,	III
(d)	II,	I,	IV,	III

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर—(b)

प्रश्नगत घटनाएं क्रमानुसार हैं-

दौराह का युद्ध	-	1532 ई.
चौसा का युद्ध	-	1539 ई.
कन्नौज का युद्ध	-	1540 ई.
सामूगढ़ का युद्ध	-	1658 ई.

अतः स्पष्ट है कि इसका अभीष्ट उत्तर विकल्प (b) होगा।

11. निम्नलिखित में से किसने अपने बादशाह पति के लिए मकबरे का निर्माण करवाया था?

(a) शाह बेगम ने (b) हाजी बेगम ने

(c) मुमताज महल बेगम ने (d) नूरुन्निसा बेगम ने

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

हाजी बेगम ने अपने पति हुमायूं के मकबरे का निर्माण दिल्ली (दीन पनाह) में 1565-72 ई. में करवाया था। इस मकबरे का वास्तुकार मीरक मिर्जा गियास था। यह भारत का प्रथम दोहरा गुंबद वाला मकबरा है। इस मकबरे के परितः एक बाग की रचना हुई है।

12. चांदी का सिक्का किसने शुरू किया?

(a) अकबर (b) शेरशाह

(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) बख्तियार खिलजी

M.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(b)

शेरशाह को ऐसी सुधरी हुई मुद्रा प्रणाली को स्थापित करने का सम्मान प्राप्त है, जो मुगल काल में चलती रही और जो ब्रिटिश मुद्रा का आधार बनी। शेरशाह ने मिश्रित धातु के सिक्के बंद कर शुद्ध सोने, चांदी एवं तांबे के सिक्कों का प्रचलन किया, जिनका तौल एवं आकार निश्चित था। उसके चांदी के सिक्के (रुपया) का तौल 178 ग्रेन था, जिसमें 173 ग्रेन विशुद्ध चांदी थी। इस पर प्रायः अरबी भाषा एवं देवनागरी लिपि में सुल्तान का नाम अंकित रहता था।

13. शेरशाह के अंतर्गत तांबे के दाम और चांदी के रुपया की विनिमय दर क्या थी?

(a) 16:1 (b) 32:1

(c) 48:1 (d) 64:1

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर—(d)

शेरशाह की मुद्रा व्यवस्था अत्यंत विकसित थी। इसने शुद्ध चांदी का रुपया (178 ग्रेन) तथा तांबे का दाम (380 ग्रेन) चलाया। इसके समय में दाम और रुपया की विनिमय दर 64 : 1 थी।

14. शुद्ध चांदी का रुपया का आविष्कार किसने किया?

(a) अकबर (b) शेरशाह

(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

शेरशाह का शासनकाल भारतीय मुद्राओं के इतिहास में एक परीक्षण का काल था। उसके मुद्रा सुधार के बारे में इतिहासकार स्मिथ ने लिखा था कि ''यह रुपया वर्तमान ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली का आधार है।'' शेरशाह ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर शुद्ध सोने, चांदी एवं तांबे के सिक्कों का प्रचलन किया। उसने शुद्ध चांदी का रुपया (178 ग्रेन) तथा तांबे का दाम (380 ग्रेन) चलाया।

15. शेरशाह सूरी के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. वह एक शानदार प्रशासनिक व्यवस्था के निर्माता थे।

2. हालांकि एक शासक के रूप में उनके गुण, युद्ध के मैदान पर उनकी जीत से अधिक उल्लेखनीय नहीं थे।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और ना ही 2

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2021

उत्तर—(a)

शेरशाह सूरी (1540-1545 ई.) का मध्ययुगीन भारत के शासकों में एक महत्वपूर्ण स्थान है। वह एक शानदार प्रशासनिक व्यवस्था के निर्माता थे। प्रशासन के क्षेत्र में उसके द्वारा किए गए सुधारों के कारण उसे अकबर का पूर्वगामी माना जाता है। अतः कथन 1 सत्य है। एक शासक के रूप में शेरशाह के गुण, युद्ध के मैदान पर उनकी जीत से अधिक उल्लेखनीय थे। युद्ध के मैदान पर उसे कुछ युद्धों में सफलता प्राप्त हुई तथा कुछ युद्धों में असफलता का भी सामना करना पड़ा। उदाहरण हेतु हुमायूं ने दौराह (देवरा) नामक स्थान पर अफगानों को पराजित किया जिसमें शेरशाह भी शामिल था। इसी तरह शेरशाह द्वारा मारवाड़ पर विजय विश्वासघात का प्रतिफल था, जबकि प्रशासक के रूप में उसके द्वारा किए गए कार्य इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान

Scanned with OKEN Scanner

रखते हैं। उदाहरण हेतु उसके द्वारा किए गए राजस्व सुधारों के तहत राजकोष में वृद्धि हुई। सैन्य सुधार के तहत उसने अलाउद्दीन खिलजी द्वारा भारत में स्थापित घोड़ों को दागने की प्रथा को कड़ाई से लागू किया। इसने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर शुद्ध सोने, चांदी एवं तांबे के सिक्कों का प्रचलन किया। इसने शुद्ध चांदी का रुपया (178 ग्रेन) तथा तांबे का दाम (380 ग्रेन) चलाया। इसी प्रकार शेरशाह की न्यायव्यवस्था भी मध्ययुगीन भारत में अप्रतिम स्थान रखती है। अतः कथन 2 त्रुटिपूर्ण है।

16. शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई–

(a) आगरा में (b) कालिंजर में

(c) रोहतास में (d) सासाराम में

U.P. P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(b)

कालिंजर विजय (1545 ई.) के दौरान, जब शेरशाह के सैनिक उक्का (गोले) फेंकने में व्यस्त थे, तो बारूद से भरा हुआ एक गोला दुर्ग की दीवार से टकरा कर वहां गिरा जहां बारूद से भरे हुए बहुत से गोले रखे हुए थे, जिससे गोलों में आग लग गई और वे फट-फट कर सभी दिशाओं में विध्वंस करने लगे। शेरशाह वहां से अधजला बाहर निकला, यद्यपि दुर्ग जीत लिया गया, किंतु यही जीत शेरशाह के लिए अंतिम हो गई। 22 मई, 1545 को उसका (कालिंजर में ही) देहांत हो गया। कालिंजर का अभियान शेरशाह का अंतिम अभियान था। उस समय वहां का राजा कीरत सिंह था।

17. शेरशाह सूरी का अंतिम अभियान निम्नलिखित में से किस राज्य के विरुद्ध था?

(a) कालिंजर (b) मालवा

(c) कन्नौज (d) गौड़

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. ''मात्र एक मुट्ठी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साम्राज्य खो दिया होता।'' इस कथन को आप किस मध्यकालीन शासक से संबद्ध करेंगे?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मोहम्मद तुगलक

(c) शेरशाह (d) औरंगजेब

U. P. P. C. S. (Mains) 2007

उत्तर–(c)

शेरशाह सूरी मारवाड़ के युद्ध में राजपूतों के शौर्य पराक्रम से इतना प्रभावित हुआ था कि उसके मुख से उक्त वाक्य फूट पड़ा।

19. शेरशाह को अपनी वीरता से प्रभावित करने वाले जयता और कुंपा किस स्थान से संबंधित थे?

(a) मालवा (b) मेवाड़

(c) बुंदेलखंड (d) मारवाड़

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर–(d)

शेरशाह को अपनी वीरता से प्रभावित करने वाले जयता और कुंपा मारवाड़ से संबंधित थे। ये मारवाड़ के शासक मालदेव के सरदार थे। शेरशाह ने मारवाड़ के युद्ध में राजपूतों के शौर्य-पराक्रम से प्रभावित होकर कहा कि ''मात्र एक मुट्ठी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साम्राज्य खो दिया होता।''

20. शेरशाह का मकबरा कहां है?

(a) सासाराम (b) दिल्ली

(c) कालिंजर (d) सोनारगांव

U.P. P.C.S. (Pre) 2002

M.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(a)

शेरशाह का मकबरा, बिहार के रोहतास जिले में सासाराम नामक स्थान पर एक तालाब के बीच ऊंचे चबूतरे पर बना है। यह आकार एवं गौरव, दोनों दृष्टियों से भारतीय मुसलमानी निर्माण कला का चमत्कार है तथा हिंदू एवं मुस्लिम वास्तुकलात्मक विचारों का आनंदजनक सम्मिश्रण प्रदर्शित करता है।

21. शेरशाह का मकबरा कहां स्थित है?

(a) सासाराम (b) मनेर

(c) सीतामढ़ी (d) पावापुरी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. Re. Exam (Pre) 2022

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. शेरशाह को दफनाया गया था–

(a) कालिंजर में (b) सासाराम में

(c) जौनपुर में (d) पटना में

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(b)

भारत में शेरशाह सूरी ने 1540 से 1545 ई. तक शासन किया। कालिंजर युद्ध के दौरान दुर्ग की दीवार से बारूद का गोला टकराकर फटने से इसकी मृत्यु हो गई थी। इसे बिहार के सासाराम (रोहतास जिला) में दफनाया गया है। इसका मकबरा अफगान स्थापत्य का शानदार नमूना माना जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

23. **निम्नलिखित में किस स्मारक का निर्माण शेरशाह ने करवाया था?**
(a) दिल्ली की किला-ए-कुहना मस्जिद
(b) जौनपुर की अटाला मस्जिद
(c) गौर की बारा सोना मस्जिद
(d) दिल्ली की कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर–(a)

शेरशाह का छोटा शासनकाल भारतीय भवन-निर्माण कला के इतिहास में संक्रांति का युग है। 'किला-ए-कुहना' मस्जिद (दिल्ली), जो 1542 ई. में निर्मित हुई थी, को उसके उज्ज्वल वास्तु कलात्मक गुणों के कारण उत्तरी भारत के ऐतिहासिक भवनों में उच्च स्थान दिया जाता है।

24. **दिल्ली में 'पुराना किला' के भवनों का निर्माण किया था–**
(a) फिरोज तुगलक ने
(b) इब्राहिम लोदी ने
(c) शेरशाह ने
(d) बाबर ने

U.P. Lower Sub. (Pre) 2009

उत्तर–(c)

दिल्ली स्थित 'पुराना किला' का निर्माण मुगल बादशाह हुमायूं ने करवाया था, जबकि यहां किला-ए-कुहना मस्जिद तथा शेर मंडल भवन शेरशाह द्वारा बनवाए गए थे।

25. **दिल्ली के पुराने किले के भीतर बनी मस्जिद 'किला-ए-कुहना' का निर्माण किसने किया था?**
(a) हुमायूं
(b) शेरशाह
(c) अकबर
(d) शाहजहां

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2021

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. **दिल्ली के पुराना किला के वर्तमान स्वरूप का निर्माण निम्नलिखित में से किसने करवाया था?**
(a) शेरशाह सूरी
(b) अकबर
(c) बाबर
(d) शाहजहां

U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(a)

दिल्ली के पुराना किला के वर्तमान स्वरूप का निर्माण शेरशाह सूरी ने अपने शासनकाल में 1540 से 1545 ई. के बीच करवाया था। यह किला नई दिल्ली में यमुना नदी के किनारे स्थित प्राचीन दीन-पनाह नगर का आंतरिक किला है।

27. **कृषकों की सहायता के लिए किस मध्यकालीन भारतीय शासक ने पट्टा एवं कबूलियत की व्यवस्था प्रारंभ की थी?**
(a) अलाउद्दीन खिलजी
(b) मोहम्मद बिन तुगलक
(c) शेरशाह
(d) अकबर

U.P.P.C.S. (Pre) 2008
U.P.P.C.S. (Mains) 2009
U. P. P. C. S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(c)

कृषकों की मदद के लिए शेरशाह ने 'पट्टा' एवं 'कबूलियत' की व्यवस्था प्रारंभ की थी। किसानों को सरकार की ओर से 'पट्टे' दिए जाते थे, जिनमें स्पष्ट किया गया होता था कि उस वर्ष उन्हें कितना लगान देना है। किसान 'कबूलियत-पत्र' के द्वारा इन्हें स्वीकार करते थे।

28. **निम्नलिखित में से किसने पूर्वी बंगाल से लेकर पेशावर तक 'सड़क-ए-आजम' कहलायी जाने वाली सड़क बनवाई?**
(a) अकबर
(b) जहांगीर
(c) इस्लामशाह
(d) शेरशाह

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

'सड़क-ए-आजम' को ग्रैंड ट्रंक रोड भी कहा जाता है। प्राचीनकाल में इसे 'उत्तरापथ' कहा जाता था। 'सड़क-ए-आजम' का निर्माण शेरशाह ने करवाया था। 'सड़क-ए-आजम' सोनारगांव (बांग्लादेश) से उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में लाहौर तक जाती थी।

29. **शेरशाह का उत्तराधिकारी था–**
(a) शुजात खां
(b) इस्लामशाह
(c) फिरोजशाह
(d) मुहम्मद शाह आदिल

M.P.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

शेरशाह का उत्तराधिकारी उसका छोटा पुत्र इस्लामशाह (जलाल खां) था। यह एक योग्य उत्तराधिकारी सिद्ध हुआ। इसने शेरशाह के समय की शासन व्यवस्था को स्थापित रखा।

30. **इन शासकों में से किसने अपनी सैन्य टुकड़ियों को दो सौ, दो सौ पचास एवं पांच सौ की इकाइयों में विभाजित किया था?**
(a) बहलोल लोदी
(b) सिकंदर शाह
(c) शेरशाह
(d) इस्लाम शाह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(e)

Scanned with OKEN Scanner